प्रजनन पारिस्थितिकी

प्रजाति	प्रजनन पारिस्थितिकी
एनॉफिलीज़ एकोनिटस	किनारों पर घास सहित स्वच्छ-पानी के टैंकों, तालाबों, झरनों, पानी की नालियों, नदी के किनारे के गड्ढों एवं धान के खेतों (पौधों की लम्बाई कम से कम 45 cm लम्बे) में प्रजनन करता है। मलेशिया एवं इण्डोनेशिया में यह दल-दल में प्रजनन करता है।
एनॉ. अहोमी	चाय के बागानों के गड्ढों एवं झरनों में प्रजनन करता है।
एनॉ. एटकेनी	विभिन्न तरह के प्रजनन स्थलों जैसे जंगल में छोटे गड्ढों में एवं रिसाव स्थलों, चाय के बागानों में चाय के पेड़ों की छांव में स्थित नालियों, दलदली जगहों, पतली नालियों, नदियों, चट्टानी गड्ढों, घने पेड़ की छांव में स्थित झरनों, कुओं, आदि में प्रजनन करता है।
एनॉ. एनेनडेलाई	घने जंगलों में पेड़ के खोलों में प्रजनन करता है।
एनॉ. एन्युलेरिस	टैंकों, तालाबों एवं गड्ढों में प्रचुर वनस्पति युक्त रुके हुए पानी में प्रजनन करता है। हरी वनस्पति युक्त धान के खेतों, कुओं, नदी के किनारों, झीलों हरी वनस्पति युक्त झरनों में प्रजनन करता है।
एनॉ. एग्रोपस	धान के खेतों एवं वनस्पतियों सहित बड़े गहरे दलदली क्षेत्र में प्रजनन करता है।
एनॉ. बेली	पूरे वर्ष गहरे गड्ढों, पत्थरी गड्ढों एवं वार्षिक चश्मों में प्रजनन करता है।
एनॉ. बाल्बासेन्सिस	झरनों के किनारे के गड्ढों, मिट्टी निकले गड्ढों, जंगली क्षेत्रों में छाए में हाथियों के पैरों के निशानों में सड़ती वनस्पतियों में प्रजनन करता है।
एनॉ. बार्बिरोस्ट्रिस	तालाबों, वनस्पति अथवा कार्बनिक तत्वों के साथ छोटे जमीनी गड्ढों, मिट्टी निकाले गड्ढों, धान के खेतों, धीमे बहते चश्मों, छिछले कुओं, टंकियों एवं हौदों में प्रजनन करता है।
एनॉ. बारबम्ब्रोसस	जमीनी एवं चट्टानी गड्ढों, झरनों के किनारों, तालाबों, दलदली क्षेत्रों, किनारों, छिछले कुओं, चश्मों, धान के खेतों, जन्तुओं के खुरों के स्थानों, पेड़ के खोलों, पानी के गड्ढों आदि में प्रजनन करता है।
एनॉ. बैरियानेन्सिस	विभिन्न तरह के प्रजनन स्थलों जैसे जंगल में छोटे गड्ढों एवं रिसाव स्थलों, चाय के बागानों चाय के पेड़ की छांव में स्थित नालियों, दल-दली स्थलों, नदियों, चट्टानी गड्ढों, पेड़ की घनी छांव में स्थित झरनों, कुओं, आदि में प्रजनन करता है।
एनॉ. बेंगालेन्सिस	रिसाव स्थलों, सूखी पत्तियों एवं बहती सड़ी वनस्पतियों सहित धीमें बहते झरनों में प्रजनन करता है। झरनों एवं बांस के खेतों के साथ पृथक गड्ढों में प्रजनन करता है अथवा इसके प्रजनन स्थान *एनॉ. एटकेनी* के समान ही हैं।
एनॉ. क्राफोर्डी	विशेषरूप से दलदली स्थलों, जमीनी गड्ढों एवं दलदली जलमग्न स्थलों पर प्रजनन करता है।

प्रजाति	प्रजनन पारिस्थितिकी
एनॉ. क्युलिसिफेसीज़	नदी के किनारों, नदी के किनारे के गड्ढों, नहर प्रणाली, नहरों एवं बांधों के रिसाव जल संग्रह, सड़क के किनारे वर्षा के गड्ढों अथवा बांधों एवं झीलों के समीप निचले हिस्सों में प्रजनन करता है। जन्तुओं के पैरों के निशान, गाड़ी के पहियों से बने गड्ढों, धान के खेतों, कुओं, तालाबों, जल आपूर्ति प्रणाली के गड्ढों एवं खारे-पानी के गड्ढों में प्रजनन करता है।
एनॉ.क्युलिसिफॉर्मिस	जंगल के क्षेत्रों की प्रजाति, पेड़ के खोलों तथा गिरे हुए एवं कटे हुए बांस के पेड़ों में प्रजनन करता है।
एनॉ. डाइरस	घने जंगल में गड्ढों में प्रजनन करता है। पहाड़ी झरनों, बिना उपयोगी कुओं, वर्षा-जल एकत्रित गड्ढों, रोड के किनारे के गड्ढों, घने पेड़ों के किनारे के गड्ढों के बीच स्थित नालियों एवं जंगल में रुके हुए पानी में प्रजनन करता है।
एनॉ. डेथालाई	कंकड़ युक्त नदियों एवं झरनों के किनारे प्रजनन करता है, धान के खेत एवं जल रिसाव अन्य महत्वपूर्ण प्रजनन स्थल हैं।
एनॉ. एलीगैंस	इसके प्रजनन के तरीके *एनॉ. डाइरस* के समान ही हैं, परन्तु पेड़ के खोलों, पत्थरी गड्ढों, भूमिगत गड्ढों एवं रुके हुए पानी में भी प्रजनन करता है।
एनॉ. फ्लुवियाटिलिस	धीमे बहते पानी जैसे खेत की नालियों, धीमे बहते चश्मों, बांधों की रिसाव की नालियों तथा सिंचाई की नालियों में प्रजनन करता है। छिछले कुओं, टंकियों, पहाड़ी क्षेत्र में धान के खेतों (खाली खेतों एवं वृद्धि होती फसल) अथवा असमान स्थलों, दल-दलों तथा वर्षा ऋतु के दौरान जब झरने एवं नालियां अत्यधिक वर्षा के कारण बह जाते हैं, जमीन के किनारे गड्ढों में प्रजनन करता है।
एनॉ. गाइगस	इसके प्रजनन स्थलों में शामिल हैं स्वच्छ जल के झरने एवं किनारों पर घास युक्त तालाब, चश्में एवं रिसाव, छिछले पहाड़ी झरनों के साथ तालाब एवं छोटे गड्ढों आदि। इसकी एक वेराइटी *सिमलेन्सिस* कई प्रजनन स्थलों जैसे-झरने के किनारे भूमिगत गड्ढों, धान के खेतों, पानी भरे गेहूं के खेतों, छिछले दलदल, रिसाव के गड्ढों, बर्फ के पानी के गड्ढों, झरने के किनारे के गड्ढों, जंगली गड्ढों, पहाड़ी खोलों में वर्षा के पानी के एकत्रीकरण तथा कोलतार के ड्रमों में स्वच्छ एवं मटमैले भरे पानी में प्रजनन करता है।
एनॉ. इन्सुलीफ्लोरम	जमीनी गड्ढों, पहाड़ी गड्ढों, झरनों, किनारों, सुपाड़ी के बगीचों, रिसाव के छायादार गड्ढों में प्रजनन करता है।
एनॉ. इंटरप्टस	पेड़ के खोलों में प्रजनन करता है, 900 मीटर की उंचाई तक से एकत्रित किया गया है। डिंभक अत्यन्त काले होते हैं।
एनॉ. जेमेसाई	टंकियों, खाली एवं बढ़ती फसल वाले हरी वनस्पति युक्त धान के खेतों, वर्षा के पानी भरे गड्ढों, तालाबों, नदी के किनारे के गड्ढों, झरनों तथा हरी वनस्पतियों सहित सतही कुओं में प्रजनन करता है।
एनॉ. जेपोरिएन्सिस	धीमे बहते झरनों एवं नालियों के घास युक्त किनारों तथा छिछले टैंकों के घास युक्त किनारे इसके उत्तम प्रजनन स्थल हैं। यह प्रजाति जल रिसाव, धान के खेतों तथा कम वनस्पति वाली नालियों की वरीयता के साथ स्वच्छ जल वाले कई प्रकार के प्रजनन स्थलों में प्रजनन करती है।

प्रजाति	प्रजनन पारिस्थितिकी
एनॉ. कारवारी	इस प्रजाति की जलीय जैविकी के विषय में जानकारी बहुत कम है। मुख्यतया चश्मों, रिसाव स्थलों तथा मन्द बहते झरनों में प्रजनन करता है।
एनॉ. कोची	छिछले मिट्टी वाले पानी के संग्रह स्थल, घास अथवा बिना घास युक्त जमीनी गड्ढे मवेशियों के पैरों के स्थल, खाली धान के खेत तथा जंगलों में झरनों में प्रजनन करता है।
एनॉ. लिन्डेसाई	झरने के किनारे के गड्ढे सामान्य प्रजनन स्थल हैं। यद्यपि यह जमीनी गड्ढों, पहाड़ी झरनों, धान के खेतों एवं सड़क के किनारे गड्ढों में प्रजनन करता है।
एनॉ. मैकुलेटस	प्रमुख रूप से झरनों में प्रजनन करता है, तालाबों, टंकियों, धान के खेतों एवं नदी के किनारे गड्ढों में भी प्रजनन करता है। सूर्य के प्रकाश युक्त प्रजनन स्थलों को वरीयता देता है एवं छाया के बुरे प्रभाव पड़ते हैं। मानसून पूर्व एवं पश्चात् के महीनों में प्रजनन अधिक होता है।
एनॉ. मजीदी	घास युक्त धीमे बहते झरनों में प्रजनन करता है। चाय के बागानों की खुली नालियों एवं खाली पड़े धान के खेतों में भी प्रजनन देखा गया है।
एनॉ. मिनिमस	इसके डिंभक सामान्यतः झरनों, गड्ढों, चाय के बागानों की नालियों आदि में पाए जाते हैं, जहां निरन्तर धीमा बहता पानी रहता है। कभी-कभी यह सड़क के किनारे गड्ढों, धान के खेतों एवं रिसाव स्थलों में भी प्रजनन करता है। यह प्रजाति छायादार स्थान पसन्द करती है।
एनॉ. मोगुलेन्सिस	छोटे पहाड़ी झरनों तथा छायादार झरनों के रिसाव जल में प्रजनन करता है।
एनॉ. मल्टीकलर	अप्रयुक्त एवं बेकार पड़े कुओं में प्रजनन करता है तथा 6 प्रतिशत तक की लवणता को सह लेता है।
एनॉ. नाइजेरिमस	विभिन्न तरह के वनस्पति युक्त रुके हुए जल संग्रहों विशेषरूप से धान के खेतों (परिपक्व पौधों युक्त फसल) में प्रजनन करता है। झीलों, घास युक्त पोखरों, टंकियों, दलदलों, रोड के किनारे गड्ढों, नालियों, धीमे बहते पानी के किनारों, वनस्पति युक्त छायादार तालाबों आदि में प्रजनन करता है।
एनॉ. निलगिरिकस	झरनों के किनारों के गड्ढों में यह प्रजाति प्रजनन करती है। यह भूमिगत गड्ढों, धान के खेतों, सड़क के किनारे गड्ढों में भी प्रजनन करती है।
एनॉ. निटिडस	जंगलों में गड्ढों, रिसाव स्थलों, बड़ी खदानों की गड्ढों, पथरीले गड्ढों, छोटे गड्ढों, धान के खेतों एवं जंगलों में हाथी के पैरों के निशानों से बने गड्ढों में प्रजनन करता है।
एनॉ. निविपस	रुके हुए पानी में प्रचुर मात्रा में वनस्पतियों के साथ दलदली स्थलों, टंकियों, तालाबी गड्ढों, धान के खेतों आदि में प्रजनन करता है। झीलों के छायादार किनारों तथा वनस्पतियुक्त सड़क के किनारे के गड्ढों में भी प्रजनन करता है।
एनॉ. पैलिडस	टंकियों, तालाबों, वनस्पतियुक्त गड्ढों, झरनों के किनारे छिछले गड्ढों, रिसाव, सड़क के किनारे गड्ढों, सिंचाई की नालियों, कुओं एवं खाली तथा वृद्धिकारी धान के खेतों में प्रजनन करता है।

प्रजाति	प्रजनन पारिस्थितिकी
एनॉ. पेडीटीनिएटस	मुख्यतः धान के खेतों में प्रजनन करता है परन्तु दलदली स्थलों, गड्ढों, रिसाव स्थलों, तालाबों, अस्थाई गड्ढों, झरनों के किनारे, जन्तुओं के पैरों के निशानों, छिछले कुओं आदि में प्रजनन करता है।
एनॉ. फिलीपाइनेन्सिस	दलदली जगहों, टंकियों, तालाबों, गड्ढों, धान के खेतों आदि में प्रजनन करता है। विशेषकर जहां रुके हुए पानी में वनस्पतियों की प्रचुर वृद्धि होती है। झीलों के छायादार किनारों, भरे हुए नालों एवं पोखरों, सड़क के किनारे वनस्पतियुक्त गड्ढों, पेड़ के खोलों, पौधों की पत्तियों के किनारों तथा बहुत धीमे बहते झरनों के घास युक्त किनारों पर प्रजनन करता है।
एनॉ. पिंजोरेन्सिस	उपलब्ध नहीं।
एनॉ. स्युडोजेमेसाई (एनॉ. रेमेसाई)	वर्षा के जल भरे गड्ढों, टंकियों एवं प्रचुर वनस्पति की वृद्धि युक्त दलदली स्थलों में प्रजनन करता है।
एनॉ. स्युडोविलमोरी	उपलब्ध नहीं।
एनॉ. पुलचेरिमस	भूमिगत गड्ढों, वनस्पतियुक्त रोड के किनारे के गड्ढों, धान के खेतों एवं छिछली झीलों में प्रजनन करता है।
एनॉ. रोपरी	छायादार गड्ढों, दलदली स्थलों, छोटे गड्ढों एवं पानी भरे गड्ढों में प्रजनन करता है।
एनॉ. सर्जेन्टाई	प्रायः पत्थरों के नीचे छोटे गड्ढों एवं झरनों में प्रजनन करता है। कभी-कभी धान के खेतों एवं रुके हुए पानी में प्रजनन करता है। सामान्यतः बहते हुए पानी को पसन्द करता है। झीलों के किनारों, झरनों के छोटे रिसाव अथवा विशाल जल संग्रह से सम्बद्ध गड्ढों, दलदल एवं रिसाव की नालियों में प्रजनन करता है।
एनॉ. साइनेन्सिस	धान के खेत अत्यधिक महत्वपूर्ण प्रजनन स्थल हैं। अन्य प्रजनन स्थलों में दलदली क्षेत्र, झरने, विभिन्न तरह के जमीनी गड्ढे तथा जल-कुंभी युक्त तालाब शामिल हैं।
एनॉ. सिन्टोनी	जंगल (वनीय) प्रजाति है, पेड़ के खोलों तथा गिरे अथवा कटे हुए बांस के पेड़ों में प्रजनन करता है।
एनॉ. स्प्लेन्डिडस	नदी के किनारे काई युक्त गड्ढों, स्वच्छ पानी के नदी के किनारे के गड्ढों, वनीय झरनों, वनस्पति युक्त तालाबों, वनस्पति युक्त टंकियों, दलदली झीलों के किनारे एवं पेड़ के खोलों में प्रजनन करता है।
एनॉ. स्टीफेन्साई	प्रमुख रूप से कुओं, घरों के ऊपर अथवा भूमिगत टंकियों, ड्रमों, टंकियों, कूलरों, गटर तथा शहरी क्षेत्रों में खुले कृत्रिम बर्तनों में प्रजनन करता है। धान के खेतों, प्रदूषित एवं खारे पानी के स्थलों में भी प्रजनन देखा गया है।
एनॉ. सबपिक्टस	विभिन्न तरह के जल स्थलों सिवाय प्रदूषित अथवा संदूषित में इनका प्रजनन देखा गया है। रुके अथवा बहते पानी दोनों जगह इनका प्रजनन होता है। साफ या मटमैला पानी, वनस्पति युक्त अथवा बिना वनस्पति का, बिना छायादार अथवा थोड़ी छायायुक्त, कुओं, सड़क के किनारे गड्ढों, नालियों, झीलों के किनारों, तालाबों, टंकियों, भूमिगत पोखरों, खाली पड़े अथवा ताजा पानी भरे धान के खेतों, सीमेन्ट की टंकियों, पेड़ के खोलों, ताजे अथवा खारे पानी, सब जगह इसका प्रजनन होता है।

प्रजाति	प्रजनन पारिस्थितिकी
एनॉ. सण्डाइकस	प्रमुखतः खारे पानी में प्रजनन करता है, परन्तु स्वच्छ जल में भी प्रजनन करता है। बांध के किनारे दलदली स्थल जहां खारा पानी एकत्रित रहता है एवं गड्ढे आदि इसके प्रमुख प्रजनन स्थल हैं। तटवर्ती क्षेत्रों में खारे-पानी के ताल, क्रीक (संकरी खाड़ी), कुओं (खारा पानी अथवा ताजा पानी), घरों के ऊपर की टंकियों तथा स्वच्छ पानी के गड्ढों में भी प्रजनन करता है। यह 0.08 से 2.6 प्रतिशत तक की लवणता तथा 7.7 से 8.5 तक की pH को बर्दाश्त कर सकता है।
एनॉ. टेसीलेटस	खुले में अथवा छाया में कुओं, धान के खेतों अथवा नालियों में प्रजनन करता है। छाया में गंदे रुके हुए पानी में भी प्रजनन करता है।
एनॉ. थिओबाल्डी	वनीय प्रजाति तथा मूलतः झरनों में प्रजनन करता है। तालाबों, टंकियों, धान के खेतों एवं नदी के किनारे गड्ढों में भी प्रजनन करता है। सूर्य के प्रकाश के नीचे खुले प्रजनन स्थलों को पसन्द करता है तथा छाए का कुप्रभाव पड़ता है। अति सामान्य मानसून पूर्व एवं मानसून पश्चात् के महीनों में प्रजनन करता है।
एनॉ. टरखुदी	इसके डिंभक हरे काई युक्त छिछले जमीनी गड्ढों में पाए जाते हैं तथा झरने के गड्ढों में प्रचुर मात्रा में हरी काई (शैवाल) के साथ भी पाए जाते हैं। यह प्रजाति धान के खेतों में भी प्रजनन करता है।
एनॉ. अम्ब्रोसस	दलदली वनीय क्षेत्रों में रुके हुए छिछले पानी में प्रजनन करता है। थाइलैण्ड एवं मलेशिया में जंगलों में छायादार गड्ढों एवं बहते झरनों में भी प्रजनन करता है।
एनॉ. वैगस	सभी तरह के प्रजनन स्थलों जहां *एनॉ. सबपिक्टस* प्रजनन करता है यह भी प्रजनन करता है परन्तु मटमैले पानी को यह ज्यादा वरीयता देता है जहां इसका प्रजनन प्रचुरता से होता है।
एनॉ. वरुणा	कई तरह के रुके हुए एवं बहते हुए पानी के जल स्थलों पर प्रजनन करता है। स्वच्छ पानी की टंकियों, तालाबों, धान के खेतों, नालियों, सिंचाई की नलियों, कुओं आदि में प्रचुर मात्रा में प्रजनन करता है। जहां शैवाल तथा अन्य जलीय वनस्पतियों की उपस्थिति हो।
एनॉ. विलमोरी	प्रायः झरनों में प्रजनन करता है। तालाबों, टंकियों, एवं नदी के किनारे गड्ढों में भी प्रजनन करता है। *एनॉ. मेकुलेटस* की तरह सूर्य के तेज प्रकाश वाले प्रजनन स्थलों को पसन्द करता है।